



Kajal

18 Dec 1992

07:00 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121812302

लिंग _____: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि _____: 17-18/12/1992
दिन _____: गुरु-शुक्रवार
जन्म समय _____: 07:00:00 घंटे
इष्ट _____: 59:40:29 घटी
स्थान _____: Delhi
देश _____: India

अक्षांश _____: 28:39:00 उत्तर
रेखांश _____: 77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 06:38:52 घंटे
वेलान्तर _____: 00:03:48 घंटे
साम्पातिक काल _____: 12:26:32 घंटे
सूर्योदय _____: 07:07:48 घंटे
सूर्यास्त _____: 17:26:58 घंटे
दिनमान _____: 10:19:10 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: हेमन्त
सूर्य के अंश _____: 02:37:13 धनु
लग्न के अंश _____: 29:50:37 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी _____: कन्या - बुध
नक्षत्र-चरण _____: हस्त - 3
नक्षत्र स्वामी _____: चन्द्र
योग _____: सौभाग्य
करण _____: गर
गण _____: देव
योनि _____: महिष
नाड़ी _____: आद्य
वर्ण _____: वैश्य
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: श्वान
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: भूमि
जन्म नामाक्षर _____: ण--
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: धनु

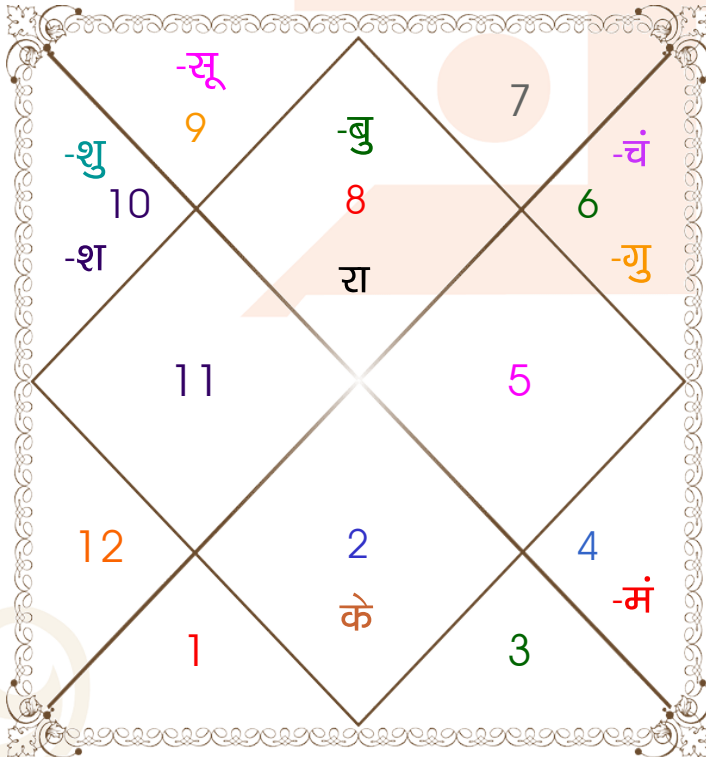
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	29:50:37	322:38:16	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
सूर्य			धनु	02:37:13	01:01:05	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	19:03:14	13:56:16	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	मित्र राशि
मंगल	व		कर्क	01:19:42	00:15:46	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	नीच राशि
बुध			वृश्चि	13:32:19	01:21:29	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	सम राशि
गुरु			कन्या	18:17:43	00:07:10	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			मक	17:05:11	01:09:16	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	मित्र राशि
शनि			मक	21:12:15	00:05:33	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	स्वराशि
राहु			वृश्चि	27:44:06	00:00:16	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	शत्रु राशि
केतु			वृष	27:44:06	00:00:16	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	सम राशि
हर्ष			धनु	23:05:45	00:03:24	पूर्वाषाढा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
नेप			धनु	24:04:43	00:02:09	पूर्वाषाढा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	00:22:53	00:02:07	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	---
दशम भाव			कन्या	13:27:59	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	राहु	--

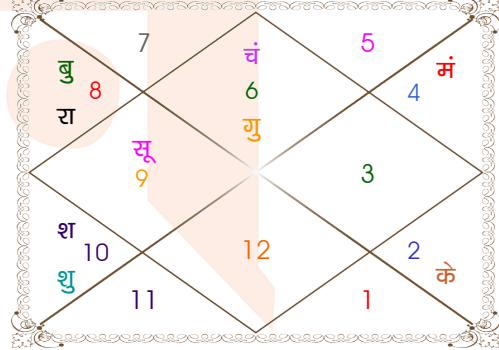
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:45:48

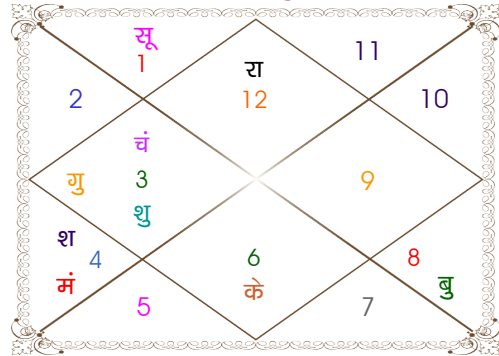
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 3 वर्ष 2 मास 15 दिन

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
18/12/1992	04/03/1996	05/03/2003	04/03/2021	04/03/2037
04/03/1996	05/03/2003	04/03/2021	04/03/2037	04/03/2056
00/00/0000	मंगल 31/07/1996	राहु 15/11/2005	गुरु 23/04/2023	शनि 07/03/2040
00/00/0000	राहु 19/08/1997	गुरु 10/04/2008	शनि 03/11/2025	बुध 15/11/2042
00/00/0000	गुरु 26/07/1998	शनि 15/02/2011	बुध 09/02/2028	केतु 25/12/2043
00/00/0000	शनि 04/09/1999	बुध 03/09/2013	केतु 15/01/2029	शुक्र 24/02/2047
18/12/1992	बुध 31/08/2000	केतु 22/09/2014	शुक्र 16/09/2031	सूर्य 06/02/2048
बुध 04/06/1993	केतु 27/01/2001	शुक्र 21/09/2017	सूर्य 04/07/2032	चंद्र 06/09/2049
केतु 03/01/1994	शुक्र 29/03/2002	सूर्य 16/08/2018	चंद्र 03/11/2033	मंगल 16/10/2050
शुक्र 04/09/1995	सूर्य 04/08/2002	चंद्र 15/02/2020	मंगल 10/10/2034	राहु 22/08/2053
सूर्य 04/03/1996	चंद्र 05/03/2003	मंगल 04/03/2021	राहु 04/03/2037	गुरु 04/03/2056

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
04/03/2056	04/03/2073	04/03/2080	05/03/2100	06/03/2106
04/03/2073	04/03/2080	05/03/2100	06/03/2106	00/00/0000
बुध 01/08/2058	केतु 01/08/2073	शुक्र 05/07/2083	सूर्य 23/06/2100	चंद्र 04/01/2107
केतु 29/07/2059	शुक्र 01/10/2074	सूर्य 04/07/2084	चंद्र 22/12/2100	मंगल 05/08/2107
शुक्र 29/05/2062	सूर्य 05/02/2075	चंद्र 05/03/2086	मंगल 29/04/2101	राहु 03/02/2109
सूर्य 04/04/2063	चंद्र 07/09/2075	मंगल 05/05/2087	राहु 24/03/2102	गुरु 05/06/2110
चंद्र 03/09/2064	मंगल 03/02/2076	राहु 05/05/2090	गुरु 10/01/2103	शनि 04/01/2112
मंगल 31/08/2065	राहु 20/02/2077	गुरु 03/01/2093	शनि 23/12/2103	बुध 19/12/2112
राहु 19/03/2068	गुरु 27/01/2078	शनि 04/03/2096	बुध 29/10/2104	00/00/0000
गुरु 25/06/2070	शनि 08/03/2079	बुध 03/01/2099	केतु 05/03/2105	00/00/0000
शनि 04/03/2073	बुध 04/03/2080	केतु 05/03/2100	शुक्र 06/03/2106	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 3 वर्ष 2 मा 20 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म ज्येष्ठा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में पूर्व दिशा में उदित वृश्चिक लग्न, मीन नवमांश तथा कर्क राशि के द्रेष्काण में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति आपको एक धार्मिक प्राणी के रूप में प्रस्तावित करती है। आप धार्मिक तीर्थ स्थानों का परिदर्शन करेंगी। परंतु वास्तविकता यह है कि आप दिलेर एवं बहुत ही समाजिक प्राणी हैं। आपकी अभिलाषा है कि सभी प्रकार के संसारिक सुखों का आनंद प्राप्त करें।

आपको देखने वाले एक धर्म निष्ठ व्यक्ति के रूप में आपको प्रतिष्ठित करते हैं। आप बहुत अधिक लाभांश प्राप्त करती हैं, परंतु आपका कार्य धीरे-धीरे कार्यान्वित होता है। अबतक आपने अन्यो को अपनी बातों से अपना बनाया है। परंतु कुछ दुष्कर घटनाएं उपस्थित होती रहती हैं। आप अपनी साहसिक एवं दृढ़ प्रवृत्ति के कारण सफलता प्राप्त करती आई हैं। तब ही आपके धन संचय करने का लक्ष्य पूरा हो सकेगा।

आप सदैव सावधानी पूर्वक मनोविनोदी प्रवृत्ति से अपना मनोरंजित जीवन जीती आई हैं। परंतु यदा-कदा आपका यह हास्य परिहास, व्यवसायिक मामले में व्यवधान उपस्थित कर सकता है। समय आने पर आप पूर्ण सचेत रहकर उन बाधाओं को स्पष्ट कर लेंगी।

आप निःसंदेह विपरीत योनि के प्राणियों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं। परंतु आप इस मामले में मनोनुकूल पुरुष को बहुत पसंद करती हैं। मुख्य रूप से आपके लिए यह विचारणीय है कि आपका प्रेमी बहुत अच्छा तो नहीं है परंतु बड़ा मेधावी है। आप जिस किसी भी व्यक्ति से संपर्क कर के आनन्द प्राप्त करना चाहती हो वह आपके मनोनुकूल एवं आपकी बुद्धि के अनुरूप हो। इसलिए आपको अपनी प्रेमी की अनुरूपता हेतु कुछ अतिरिक्त निर्देश की आवश्यकता है, क्योंकि यदि आपने जिस किसी का चयन किया है। वह आकर्षक है। इस पर आप हतोत्साहित होंगी। आप अपने जीवन संगी के चयन हेतु प्रयास करें जिसका जन्म वृश्चिक, कर्क, मीन, तुला, कन्या अथवा मकर राशि लग्न में हुआ हो।

आपके जीवन के क्षेत्र से संबंधित एक अहम मुद्दा यह है कि आप स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से सौभाग्यशाली हैं। दूसरी बात यह है कि आपके जीवन में अतिशय भ्रमणकारी समस्या हैं। आप अपने जीवन के 13 वें, 27 वें, 31 वें एवं 49 वें वर्ष में रोगादिक प्रभाव से अद्योगामी हो सकती हैं। अतएव सतर्कता पूर्वक जागरूक रहने की आवश्यकता है।

आपको समय-समय पर अच्छी प्रकार स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहना चाहिए। इसलिए आप किसी भी प्रकार के रोग के प्रति सावधानी पूर्वक आचरण कर सकती हैं। आप जैसे गुप्तांग को क्षतिग्रस्त होने वाले आचरण के प्रति सतर्क रहें। अन्यथा इसका गलत प्रभाव आपके स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। अतएव आप अर्शरोग एवं गुप्तांग रोग के प्रति अनियमिततापूर्ण आचरण नहीं करें।

समय-समय पर आपकी उत्तेजना अति तीक्ष्ण हो जाती है। कृप्या इस पर शांति पूर्ण आचरण करें। आप अपने मन को शांति दायक प्रवृत्ति के अनुरूप बनाकर किसी भी प्रकार

के रोगादिक प्रभाव से वंचित रह सकती हैं। अन्यथा नसों की गड़बड़ी संबंधी रोग का विपरीत प्रभाव जीवन पर पड़ेगा।

आपके लिए स्मरणीय है कि साप्ताहिक दिनों में आपके लिए अनुकूल एवं प्रभावशाली दिन सोमवार, मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सर्वथा प्रतिकूल है।

आप अंको में अंक 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंकों को अपने लिए अनुकूल समझें। परंतु अंक 5, 6 एवं 8 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए रंगों में सफेद एवं हरा आपके लिए प्रतिकूल है। परंतु रंग, पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग आपके लिए अनुकूल एवं लाभदायक है।

